[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक .....

2305 **A**

M.A./II

HISTORY—Group A–Course 16

(Religion in Society *c.* A. D. 550–1200)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.*)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any ***four*** *questions.*

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

[P.T.O.

1. Discuss the major sources for reconstruction of the religious history of early medieval India.

   आरम्भिक मध्यकालीन भारत के धार्मिक इतिहास की पुन: रचना के प्रमुख स्रोतों का विवेचन कीजिए।

2. Who were the Ālvārs ? Assess their importance in heralding the bhakti movement in South India.

   आलवार कौन थे? दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन के अग्रदूत के रूप में उनके महत्व का आकलन कीजिए।

3. What place would you assign to Rāmanujāchārya in the history of Indian religio-philosophic tradition ?

   भारतीय धार्मिक-दार्शनिक परम्परा के इतिहास में रामानुजाचार्य को आप कौन-सा स्थान देंगे ?

4. Evaluate the role of Shaiva *mathas* in central India and in the trans-Vindhya regions.

   मध्य भारत और विन्ध्योत्तर क्षेत्रों में शैव मठों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

5. Discuss the significance of the **Daśamahāvidyas**.

   '**दशमहाविद्या**' के महत्व का विवेचन कीजिए।

6. Analyse the impact of Tantricism during the period of your study.

   आपके अध्ययन के काल-खंड में तंत्रवाद के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

7. Early medieval Buddhism was less Buddhist and more a system of Tantras. Comment.

'आरम्भिक मध्यकालीन बौद्ध धर्म में बौद्ध कम तंत्र-प्रणाली अधिक थी।'—टिप्पणी कीजिए।

8. Account for the proliferation of *tirthas* after the sixth century in north India.

उत्तर भारत में छठी सदी के बाद तीर्थों के प्राचुर्य के कारणों का उल्लेख कीजिए।